सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 262 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 29 अक्टूबर, 2024

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

कोई लोहे को नष्ट नहीं कर सकता, लेकिन उसकी अपनी जंग कर सकती है! उसी तरह कोई किसी इंसान को बर्बाद नहीं कर सकता, लेकिन उसकी अपनी मानसिकता कर सकती है। –रतन टाटा

अफ्रीका दौरे के लिए लक्ष्मण होंगे... 7 | महाराष्ट्र चुनावः राजनीति में... 3 | उपचुनावः सभी सीटों पर बिना... 2

बंटेगे तो कटेंगे

किस दिशा में जा रहा है देश! क्या चाहते हैं नेता

» एक बात कभी मत भूल डिवाइड एंड रूल, डिवाइड एंड रूल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजनीति में नारो का अहम रोल है। हिट नारे सियासी दलों की जीत की गारंटी होते है। देश में रोटी, कपड़ा और मकान से शुरू हुए नारे तिलक, तराजू और तलवार से होते हुए बंटेगे तो कटेंगे तक पहुंच चुके हैं। आगे का सफर कितना बाकी है या फिर भविष्य में नारों की क्या संज्ञा होगी इसका अनुमान लगाया जा सकता है।

सीएम योगी द्वारा 'बंटेगे तो कटेंगे' दिया गया नारे पर चर्चा उस समय से तेज हो गयी जब इस नारे पर आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले की मोहर लग गयी। बीजेपी के इस नारे का जवाब यूपी में समाजवादी पार्टी के नेता शिवपाल सिंह यादव और पार्टी की तरफ से दिया गया। शिवपाल ने कहा कि जो इस तरह की बात करेगा, वह बाद में पिटेगा वही सपा ने इसे हिंदू–मुस्लिम एकता से जोड़ दिया। इन सियासी नारों के कर्कश में बर्तानिया हुकूमत के वह नारे भी याद आने लगे है जिसमें कहा जाता था कि एक बात कभी मत भूल, डिवाइड एंड रूल, डिवाइड एंड रूल।

धमका रहे हैं शिवपाल

बीजेपी प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी कहते हैं कि धमकी देना समाजवादी पार्टी का मूल चरित्र है। चुनाव से पहले मुख्तार अंसारी के पुत्र ने भी इसी तरह की बात कही थी। आज शिवपाल यादव कह रहे हैं। जनता सबक सिखा देगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र धमकियों से नहीं चलता। सपा का चरित्र ही यही है कि वह पहले डराते हैं, फिर धमकी देते हैं। जनता समझ चुकी है और सपा को नकार चुकी है।

क्या बंटा हुआ है हिंदू

इस सवाल पर समाजशास्त्रियों के मत सामने आये हैं। सब्जवारी कहतें हैं कि सीएम योगी आदित्यनाथ जिन बयानों को लेकर जाने जाते हैं यह बयान भी उन्हीं बयानों के परिपेक्ष में दिया गया बयान है जो समाजिक सौहार्द के लिए उचित नहीं है। डीके त्रिपाठी के मुताबिक इस बयान की जरूरत नहीं थी। हिंदू न तो बंटा है और न ही उसकी ऐसी सोच है।

हिंदुओं में एकता जरूरी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक जनसभा में कहा था, कि बटेंगे तो कटेंगे। योगी के इस बयान के बाद विपक्षी दलों ने इसकी आलोचना शुरू कर दी थी, लेकिन आरएसएस ने इसका समर्थन कर दिया। आरएसएएस ने कहा कि इस बयान का मतलब है कि हिंदुओं में एकता लाना जरूरी है। आरएसएस के इस बयान के बाद ही मामले ने तूल पकड़ा। नारे पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी। बागेश्वेर बाबा भी कहां चुप रहने वाले थे। उन्होंने नारे का समर्थन किया और कर दिया कि मौजूदा समय में हिंदू एकजुट नहीं है। दुनिया में किसी भी देश के धर्म पर किसी भी मजहब के लोगों पर यदि कोई संकट आता है तो वह अपने देश चले जाते हैं। लेकिन हिंदुओ के लिए कोई देश नहीं है। इसलिए हिंदुओं को एकजुट होना जरूरी है।

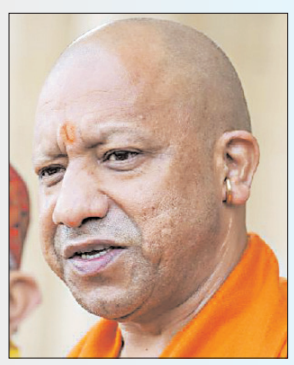

'यह तो भविष्य की बात है'

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का कहना है कि हिंदू समाज एक संगठित समाज है। उन्होंने कहा कि बंटेंगे तो कटेंगे नारे में पहली बात तो ये है कि इस नारे में जो क्रिया है वह भविष्यकाल की है। यानी अभी हम अभी बंटे नहीं है। अभी हम एक हैं। यह भविष्य की बात है कि हम बटेंगे या नहीं। स्वामी अविमक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि नेताओं को यह बताना होगा कि वह कौन–सा कारण होगा जिसकी वजह से हम बटेंगे।

उप–चुनाव से पहले नारा : 'बंटेगे तो कटेंगे'

समाजशास्त्री प्रोफेसर डीके त्रिपाठी कहते हैं कि बंटेगे तो कटेंगे नारा यूपी में होने जा रहे उप–चुनाव से ठीक पहले आया है और इसके सियासी मायने हैं। वह कहते हैं कि बीजेपी हमेशा से पोलोराइजेशन की राजनीति करती है। यूपी में लोकसभा चुनाव में बीजेपी को करारी हार का सामना करना पड़ा है। सभी को पता है कि पिछड़ा वोट इंडिया गठबंधन के साथ लामबंद हो गया था जिस कारण से बीजेपी को 35 सीटें खोनी पड़ी। इसबार किसी भी कीमत पर बीजेपी इन सीटों पर जीत दर्ज करना चाहती है। उन्होने आगे कहा कि हम सांस्कृतिक रूप से बंटे नहीं है। हमारा देश संविधान से चलता है। जिस देश में लोकतंत्र होता है वहां कोई धर्म नहीं होता। धर्म हमारा निजी मामला है हमे ?संविधान को लेकर जाना है। संविधान ने सभी को बराबर का अधिकार दिया है तो फिर हम बंटेगे क्यों?

वह नारे जिन्होंने समां बदल दिया

जय श्री राम

जय श्री राम एक अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है, भगवान राम की महिमा या भगवान राम की जीत। इसका इस्तेमाल हिंदू धर्म के लोग अनौपचारिक अभिवादन के तौर पर, हिंदू आस्था के प्रतीक के तौर पर, या अलग–अलग आस्था से जुड़ी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए करते हैं।

रोटी, कपड़ा और मकान

चाहे फिल्म हो या फिर राजनीति। इस नारे को खूब भुनाया गया है। पहले समाजिक जिंदगी रोटी, कपड़ा और मकान के इर्द–गिर्द ही घूमती थी। इसीलिए इस मुददे पर फिल्मे भी बनती थी और राजनीतिक भाषण भी खूब दिये जाते थे।

सायमन गो बैक

यह नारा, महाराष्ट्र के मुंबई जिले से ताल्लुक रखने वाले यूसुफ मेहरअली ने गढ़ा था। यह नारा भारतीय वैधानिक आयोग यानी साइमन कमीशन के खिलाफ था। उस समय आयोग में कोई भारतीय सदस्य नहीं था, जिससे राष्ट्रवादियों को लगा था कि भारतीय अपने देश के लिए संवैधानिक दृष्टिकोण रखने में सक्षम नहीं हैं।

इंदिरा तेरा यह बलिदान याद करेगा हिंदुस्तान

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की मौत के बाद यह नारा चलन में आया था। इस नारे का इस्तेमाल कांग्रेस ने लंबे समय तक किया।

तिलक तराजू और तलवार

बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम द्वारा इस नारे को कहा गया था। यह नारा दलितों में अपनी राजनीतिक जमीन तलाशने के लिए दिया गया था। इस नारे ने बहुजन समाज पार्टी को सत्ता के करीब लाकर खड़ा कर दिया और मायावती यूपी की तीन बार मुख्यमंत्री बनीं।

उपचुनाव : सभी सीटों पर बिना कांग्रेस के जनसभाएं करेंगे अखिलेश यादव!

» अपनी जनसभाओं में अखिलेश जहां भाजपा की नीतियों पर हमला करेंगे, वहीं पीडीए को बंटने के नुकसान भी बताएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव उपचुनाव वाली सभी 9 सीटों पर दीवाली के बाद जनसभाएं करेंगे। इसके लिए सपा ने तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। शीघ्र ही कार्यक्रम जारी होंगे। प्रदेश में 9 विधानसभा सीटों, करहल, सीसामऊ, फूलपुर, मिल्कीपुर, कटेहरी, मझवां, मीरापुर, खैर, गाजियाबाद और कुंदरकी में उपचुनाव हो रहा है। इन जिलों से सबसे ज्यादा मांग अखिलेश यादव की जनसभाएं कराने की ही आ रही हैं। इसलिए दीवाली के बाद अखिलेश यादव युद्धस्तर पर चुनावी सभाएं करेंगे।

अपनी जनसभाओं में अखिलेश जहां भाजपा की नीतियों पर हमला करेंगे, वहीं पीडीए को बंटने के नुकसान भी बताएंगे। उससे पहले सोशल मीडिया के जरिये भी इन मुद्दों पर व्यापक स्तर पर पार्टी की लाइन सामने रखने का काम किया जा रहा है। सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि अखिलेश यादव की जनसभाएं दीवाली के तत्काल बाद प्रारंभ हो जाएंगी।

सपा ने उत्तराखंड के केदारनाथ सीट के उपचुनाव में किसी भी पार्टी को समर्थन नहीं दिया है। सपा की उत्तराखंड इकाई के अध्यक्ष शंभू प्रसाद पोखरियाल ने कहा कि इस संबंध में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशों का पालन किया जाएगा। समाजवादी पार्टी उत्तराखंड मे अपने बलबूते पर मजबूती से चुनाव लड़ेगी। हालांकि, अभी तक कांग्रेस और सपा की सयुक्त रैलियों का कोई कार्यक्रम नहीं बना है। इस बारे में सपा के नेताओं का कहना है कि इस संबंध में दोनों दलों का शीर्ष नेतृत्व ही बातचीत करके कोई निर्णय लेगा।

कई भाजपा और बसपा नेता हुए सपाई

अखिलेश यादव के नेतृत्व के प्रति आस्था जताते हुए आज गोरखपुर के भाजपा और बसपा के कई वरिष्ठ नेता समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। अखिलेश यादव ने कहा कि नए साथियों के आने से पार्टी को मजबूती मिलने की उम्मीद जताई है जबकि समाजवादी पार्टी में शामिल सभी लोगों ने 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को प्रचंड जीत दिलाने और हाल के उपचुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों की जीत के लिए एकजुट होकर काम करने का संकल्प लिया। श्री यादव के समक्ष भाजपा छोड़कर प्रोफेसर शैलेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, पूर्व प्रधानाचार्य एमजी पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज गोरखपुर समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। गोरखपुर के ही आचार्य मुकेश कुमार श्रीवास्तव ने भी समाजवादी पार्टी की सदस्यता ली। मुकेश श्रीवास्तव उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान से राहुल सांस्कृतायन पुरस्कार से सम्मानित हैं। सदर लोकसभा क्षेत्र गोरखपुर से बसपा प्रत्याशी रहे जावेद सिमनानी बसपा छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए हैं। पिछले 20 वर्षों से वे बसपा संगठन में महत्वपूर्ण पदों पर रहे हैं। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के पूर्व महानगर अध्यक्ष एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र गोरखपुर जफर अमीन डक्कू, जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र भूषण निषाद एवं जनपद चंदौली के जिला उपाध्यक्ष परवेज अहमद भी मौजूद रहे।

सत्ताधारियों ने आम लोगों की समस्याओं का समाधान नहीं किया : शरद पवार

» एमवीए में 90 से 95 फीसदी सीटों पर बनी आम सहमति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में सीट बंटवारे पर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) में सियासी घमासान मचा हुआ है। कांग्रेस और उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना के बीच तनातनी चल रही है। हालांकि, एनसीपी एसपी प्रमुख शरद पवार का कहना है कि राज्य की कुल 288 सीटों में से 90 से 95 फीसदी पर एमवीए सहमति पर पहुंच गया है।

पवार ने भाजपा पर परोक्ष हमला बोलते हुए कहा कि उनकी लड़ाई उन लोगों के खिलाफ है, जिन्होंने प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों को विभाजित किया और जिन्होंने उनकी विचारधारा से समझौता किया। इसके अलावा, उन्होंने दावा किया कि जो सत्ता में हैं, उन्होंने लोगों की समस्याओं का समाधान नहीं किया। बता दें, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 20 नवंबर को होने हैं और वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 29 अक्तूबर है। एमवीए में एनसीपी(एसपी), कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) शामिल हैं। जून 2022 में शिवसेना विभाजित हो गई थी, जिससे ठाकरे की एमवीए सरकार गिर गई, जबकि शरद पवार की स्थापना वाली एनसीपी जुलाई 2023 में उनके भतीजे अजित पवार के सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल होने के बाद दो गुटों में टूट गई।

नई बोतल में पुरानी शराब है विजय की पार्टी टीवीके : एआईएडीएमके

» अभिनेता विजय की पार्टी के सिद्धांत नकली, टीवीके पर भड़की डीएमके, बोली- ऐसे कई देखे हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिल सिनेमा के सुपरस्टार दलपति विजय की नई नवेली राजनीतिक पार्टी टीवीके (तमिल वेत्री कषगम) का पहला सम्मेलन रविवार को आयोजित किया गया। इस दौरान भारी भीड़ उमड़ी, जिसकी सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रही हैं। जब डीएमके और एआईएडीएमके से टीवीके के राजनीति में धमाकेदार एंट्री को लेकर सवाल किए गए तो उन्होंने टीवीके के सिद्धांतों को नकल किया हुआ बता दिया।

पार्टी के पहले सम्मेलन में अभिनेता विजय ने डीएमके और करुणानिधि परिवार पर तीखा हमला बोला। इस पर डीएमके ने कहा कि डीएमके ने अपने लंबे राजनीतिक समय में ऐसे कई प्रतिद्वंदी देखे हैं और आगे भी पार्टी मजबूत बनी रहेगी। एआईएडीएमके ने भी टीवीके को नई बोतल में पुरानी शराब बता दिया और कहा कि उनकी विचारधारा कई राजनीतिक पार्टियों की विचारधारा का घालमेल है।

हमने कई पार्टियां देखी हैं

टीवीके के वैचारिक बिंदुओं और राज्यपाल के कार्यालय के विरोध के बारे में पूछे जाने पर डीएमके नेता टीकेएस एलंगोवन ने कहा, ये सभी हमारी नीतियां हैं, वह नकल कर रहे हैं। वह जो कुछ भी कह रहे हैं, हम पहले से ही उनके लिए काम कर रहे हैं। विजय की पार्टी के पहले सम्मेलन के बारे में उन्होंने कहा, यह पहला सम्मेलन है और देखते हैं, हमने कई पार्टियां देखी हैं। एलंगोवन ने कहा कि डीएमके नेता लोगों के मुद्दों के लिए लड़ते हुए जेल गए, हालांकि पार्टी कई चुनाव हार गई, लेकिन यह मजबूत बनी रही। उन्होंने कहा कि डीएमके का निर्माण लोगों के मुद्दों के लिए लड़ते हुए हुआ था, जबकि विजय की पार्टी राजनीति में प्रवेश करने के तुरंत बाद 2026 में सत्ता में आने की आकांक्षा रखती है। टीवीके नेता डीएमके नेताओं की तरह जेल जाकर लोगों के लिए नहीं लड़ेंगे।

एआईएडीएमके और भाजपा ने कही ये बात

एआईएडीएमके प्रवक्ता कोवई सत्यन ने विजय को राजनीति में प्रवेश करने पर बधाई दी और कहा कि उन्हें अभी लंबा सफर तय करना है। उन्होंने कहा कि टीवीके की विचारधारा सभी दलों की विचारधारा को मिलाकर तैयार की गई है और यह नई बोतल में पुरानी शराब के मिश्रण जैसा है। भाजपा नेता एच राजा ने कहा कि वैचारिक रूप से भाजपा राष्ट्रवादी है और इसका वोटबैंक प्रभावित नहीं होगा, उन्होंने कहा कि विजय की पार्टी केवल द्रविड़ दलों के वोटों को विभाजित कर सकती है।

संजय राउत की कांग्रेस को खरी-खरी

कहा- अगर सोलापुर दक्षिण से कांग्रेस उम्मीदवार खड़ा करती है तो यह उकसाने वाली बात होगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में सीट बंटवारे पर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) में सियासी घमासान मचा हुआ है। कांग्रेस और उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना के बीच तनातनी चल रही है। इस बीच, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता संजय राउत ने कांग्रेस को सोलापुर दक्षिण विधानसभा सीट से उम्मीदवार खड़ा करने को लेकर चेतावनी दी। दरअसल, इस सीट से शिवसेना (यूबीटी) पहले ही अपने उम्मीदवार की घोषणा कर चुकी है।

राउत ने कहा कि अगर कांग्रेस इस सीट पर ऐसा कुछ करती है तो यह उकसाने का काम होगा और महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के लिए समस्याएं पैदा कर सकता है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने अपनी नई सूची में सोलापुर दक्षिण सीट से अपने उम्मीदवार (दिलीप माणे) की घोषणा की है। यह तब हुआ है जब हम पहले ही अपना उम्मीदवार (अमर पाटिल) उतार चुके हैं। मैं इसे कांग्रेस द्वारा टाइपिंग की गलती मानता हूं। ऐसी गलती हमारी तरफ से भी हो सकती है।

उन्होंने आगे कहा, मैंने सुना है कि स्थानीय कांग्रेस नेता मिराज विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए उत्सुक हैं, जो हमारे सीट-बंटवारे के फॉर्मूले का हिस्सा है। अगर ऐसा संक्रमण (सहयोगियों के खिलाफ उम्मीदवार उतारने का) पूरे राज्य में फैलता है, तो यह एमवीए के लिए समस्याएं पैदा करेगा।

मुंबई में पार्टी की जरूरत: राउत

कांग्रेस, उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) विपक्षी एमवीए का हिस्सा हैं, जो सत्तारूढ़ महायुति को चुनौती दे रही है। कांग्रेस के मुंबई में ज्यादा सीटों पर लड़ने के इच्छुक होने के बारे में पूछे जाने पर राउत ने कहा, पार्टी मुंबई में एक और सीट मांग रही है। परंपरागत रूप से, शिवसेना मुंबई में अधिक सीटों पर चुनाव लड़ती रही है। मुंबई में पार्टी की जरूरत है, जिस तरह से कांग्रेस की विदर्भ क्षेत्र में जरूरत है।

बोले नाना पटोले

दूसरी ओर, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने बताया था कि पार्टी आलाकमान ने सोलापुर दक्षिण सीट से चुनाव लड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, राज्य स्तर पर हम इस पर टिप्पणी नहीं कर सकते। राउत को मेरा विनम्र सुझाव है कि उन्हें अपनी आलोचना सीधे विपक्ष की ओर करनी चाहिए। नामांकन दाखिल करने का मुद्दा कल तक खत्म हो जाएगा। एमवीए ने 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 200 से अधिक सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की है। हालांकि, शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के बीच कुछ सीटों को लेकर गतिरोध बना हुआ है।

भाई-भतीजावाद से संस्थाओं का पतन कर रही सरकार : राहुल गांधी

» लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा- देश की संपत्ति को कुछ लोगों के हाथ में सौंप रही है सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सेबी प्रमुख माधवी बुच पर लगे हितों के टकराव के आरोपों के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार एकाधिकार को बढ़ावा दे रही। साथ ही देश की संपत्ति को कुछ लोगों के हाथ में सौंप रही है। भाई-भतीजावाद के जरिये संस्थाओं का खतरनाक रूप से पतन किया जा रहा है। इसका एक उदाहरण अदाणी बचाओ है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कांग्रेस के मीडिया और जनसंचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा के साथ सेबी प्रमुख बुच पर लगे आरोपों पर बातचीत का एक वीडियो साझा किया। राहुल गांधी ने कहा कि माधवी बुच घोटाला जितना दिख रहा है, उससे कहीं ज्यादा गहरा है।

महाराष्ट्र चुनाव : राजनीति में त्याग के लिए कोई जगह नहीं : अखिलेश

पांच सीट नहीं मिली तो 25 से 30 पर चुनाव लड़ेगी सपा

- एमवीए में समाजवादी पार्टी को सीटों को लेकर फंसा पेच
- अखिलेश यादव ने एमवीए को दी सीख
- सपा प्रमुख बोले- अबू आजमी लेंगे सीटों पर फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की महा विकास अघाड़ी में कांग्रेस, उद्धव और शरद पवारवके बीच सीटों का झंझट नहीं सुलट रहा ऐसे में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने टेंशन बढ़ा दिया है। अखिलेश ने कहा है कि अगर एमवीए में उनकी पार्टी को पांच सीट नहीं मिली तो समाजवादी पार्टी अपने दम पर 25 से 30 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

अखिलेश यादव ने कहा, पहले हम गठबंधन में रहने की कोशिश करेंगे। लेकिन, अगर महाविकास अघाड़ी हमें गठबंधन में नहीं रखेंगे, तो हम उन सीटों पर चुनाव लड़ेंगे जहां हमें वोट मिलेंगे या हमारा संगठन वहां काम कर रहा है। हम उन सीटों पर चुनाव लड़ेंगे जो गठबंधन को नुकसान नहीं पहुंचाएंगी लेकिन, राजनीति में त्याग के लिए कोई जगह नहीं है।

आजमी मांग रहे है पांच सीट

समाजवादी पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष अबू आसिम आजमी इस समय जोर में हैं। अखिलेश का भी उन्हें समर्थन है। अखिलेश ने साफ कह दिया है कि महाराष्ट्र के बारे में फैसला हमारे प्रदेशाध्यक्ष ही लेंगे। पहले हम अपनों की सुनेंगे। हालांकि तकलीफ ये हे कि आजमी पांच सीट मांग रहे है और एमवीए उन्हें दो सीटें देने पर अड़ी है। इस पर आजमी का कहना है कि हम एमवीए के नेताओं से लंबे अरसे से गुहार लगा रहे हैं। हम कांग्रेस नेताओं की तरह नहीं हैं जो आए दिन दिल्ली पहुंचकर शीर्ष नेताओं से सीट शेयरिंग पर बात करते रहें। अब हम और इंतजार नहीं कर सकते। आजमी ने यह भी याद दिलाया कि सपा पहले 12 सीटों की मांग कर रही थी। लेकिन यहां से वह पांच सीटों पर आ गई है।

दोनों के उम्मीदवार घोषित

हालांकि जिन पांच सीटों पर सपा ने दावा किया है, उनमें से तीन पर महाविकास अघाड़ी ने उम्मीदवार उतार दिए हैं। समाजवादी पार्टी ने धुले सिटी, भिवंडी पूर्व, मानखुर्द, भिवंडी पश्चिम और मालेगांव सेंट्रल सीट मांगी थी। जबकि शिवसेना यूबीटी ने धुले सिटी से अनिल गोटे को उम्मीदवार बना दिया तो वहीं कांग्रेस ने मालेगांव सेंट्रल से एजाज बेग और भिवंडी वेस्ट से दयानंद चोरघे को प्रत्याशी घोषित कर दिया। वहीं दूसरी तरफ सपा ने पहले ही पांच सीटों, धुले सिटी, मालेगांव सेंट्रल, भिवंडी ईस्ट, भिवंडी वेस्ट और मानखुर्द शिवाजी नगर के लिए उम्मीदवारों को एबी फॉर्म बांट दिए हैं।

पांच सीटों पर अल्पसंख्यक वोटरों का दबदबा

मानखुर्द शिवाजी नगर से खुद आजमी सिटिंग विधायक हैं। वहीं, भिवंडी ईस्ट से रईस शेख पार्टी के विधायक हैं। इन सभी पांच सीटों पर अल्पसंख्यक वोटरों का दबदबा है। ऐसे में सपा को लगता है कि वह इन सीटों पर आसानी से जीत हासिल कर सकती है। मालेगांव सेंट्रल से सपा ने शान-ए-हिंद निहाल अहमद और धुले से इरशाद

जागीरदार को उम्मीदवार बनाया है। गौरतलब है कि हाल ही में महाराष्ट्र के दौरे पर पहुंचे अखिलेश यादव ने मालेगांव आउटर और धुले सिटी में चुनावी रैली की थी। इधर शिवाजी नगर मानखुर्द सीट पर अबु आसिम आजमी को कड़ी चुनौती मिलने की संभावना है, क्योंकि एनसीपी अजित पवार गुट से नवाब मलिक यहां से चुनाव लड़ना चाहते हैं। हालांकि अभी तक मलिक के नाम का ऐलान नहीं हुआ है। देखना दिलचस्प होगा कि नवाब मलिक को अजित पवार उम्मीदवार बनाते हैं या वे निर्दलीय उम्मीदवार खड़े होते हैं।

अयोध्या में 80 हजार दीयों से बनेगा स्वास्तिक

दीपोत्सव: पूरे विश्व को देगा शुभता का संदेश, बनेगा नया कीर्तिमान

- राम की पैड़ी के घाट नंबर 10 पर बनाया जा रहा है स्वास्तिक
- अयोध्या दीपोत्सव में 28 लाख दीये जलाए जाएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। दीपोत्सव 2024 को लेकर एक ओर जहां योगी सरकार की तैयारियां अंतिम चरण में हैं, वहीं डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने सरयू के 55 घाटों पर भारी भरकम टीम उतार दी है। दो हजार से अधिक पर्यवेक्षक, समन्वयक, घाट प्रभारी, दीप गणना व अन्य सदस्यों की देखरेख में 30 हजार से अधिक वालंटियर घाटों पर 28 लाख दीपों को सजाने का कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही 80 हजार दीपों से वालंटियर द्वारा राम की पैड़ी के घाट नंबर 10 पर प्रतीक के रूप में स्वास्तिक बना रहे हैं। यह दीपोत्सव आकर्षण का केंद्र होने के साथ पूरे विश्व को शुभता का संदेश देगा। इसके लिए 150 से अधिक वालंटियर लगाए गए हैं।

दीपोत्सव में विश्व कीर्तिमान बनाने के लिए दूसरे दिन विश्वविद्यालय परिसर एवं अन्य संस्थानों के वालंटियर जय श्रीराम के जयघोष के साथ राम की पैड़ी रवाना किए गए। सभी वालंटियर ने गले में क्यूआर कोड से लैस आईकार्ड, टी-शर्ट और कैप में घाटों पर दीपों को सजाना शुरू किया गया। बीच-बीच में वालंटियर द्वारा जय श्रीराम के नारे गूंजते रहे और 16 गुणे 16 का दीयों का ब्लाक बना रहे है जिनमें 256 दीए सजा रहे हैं।

बड़ी सावधानी से हो दीए में तेल डालने का काम

घाट प्रभारी व समन्वयक की देखरेख में बड़ी सावधानी से दीए में तेल डालने का काम करेंगे। दीए बिछाने का कार्य 28 अक्टूबर तक पूरा कर लिया गया है। आज यानि 29 अक्टूबर को घाटो पर लगे दीए की गणना की जायेगी। वही 30 अक्टूबर को घाटों पर लगे दीयों में बाती, तेल डालकर व प्रज्वलन करके विश्व रिकार्ड बनायेंगे। दीपोत्सव की सफलता के लिए विश्वविद्यालय, सम्बद्ध महाविद्यालयों, इण्टर कालेज व स्वयंसेवी संस्थाओं की भारी भरकम टीम उतार दी गई है। सभी दीपोत्सव में विश्व कीर्तिमान बनाने के लिए युद्धस्तर पर कार्य को अंजाम दे रहे हैं।

वालेंटियर्स के लिए समुचित व्यवस्था

घाटों पर घाट प्रभारी व समन्वयक द्वारा समय-समय पर वालंटियर को दिशा-निर्देश प्रदान किए जा रहे हैं। बहुत ही सावधानी से वालंटियर गर्त्तों से दीए निकालकर घाटों पर बिछाने का कार्य कर रहे है। इन वालंटियर को घाटों पर स्वच्छ पानी पीने की व्यवस्था सामग्री संयोजक प्रो सिद्धार्थ शुक्ला व प्रो गंगाराम मिश्र की देखरेख में की गई है। सभी को स्वच्छ पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त वालंटियर के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई। भोजन समिति के संयोजक प्रो चयन कुमार मिश्र व उनके सहयोगियों द्वारा भजन संध्या स्थल पर वालंटियर को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

पहले वीडियो बनेगा फिर चिकित्सा की व्यवस्था

गनीमत है कि पशु-पक्षी अपने विचार व्यक्त नहीं कर पाते या फिर यूं कहें कि ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति उनकी भाषा को समझ नहीं पाती। यदि समझ पाती तो शायद यह खुशफहमी न रहती। तो इस सर्वश्रेष्ठ कृति में हफ्तों-महीनों-वर्षों से नहीं सदियों से अनेक विलक्षण क्षमताओं का विकास हो रहा है। नए-नए आविष्कार हो रहे हैं और उनका जमकर सदुपयोग हो रहा है।

मनुष्य परमात्मा की सर्वोत्तम रचना है। परमात्मा की अन्य सभी रचनाओं में मनुष्य को श्रेष्ठ व ज्येष्ठ रचना कह सकते हैं। मनुष्य को ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति माना गया है। ऐसे में हम सभी भाग्यशाली हैं कि परमात्मा ने हमें मनुष्य बनाया है। हम मनुष्य जीवन का महत्व व विशेषताओं से पूर्णत: परिचित नहीं है। गनीमत है कि पशु-पक्षी अपने विचार व्यक्त नहीं कर पाते या फिर यूं कहें कि ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति उनकी भाषा को समझ नहीं पाती। यदि समझ पाती तो शायद यह खुशफहमी न रहती। तो इस सर्वश्रेष्ठ कृति में हफ्तों-महीनों-वर्षों से नहीं सदियों से अनेक विलक्षण क्षमताओं का विकास हो रहा है। नए-नए आविष्कार हो रहे हैं और उनका जमकर सदुपयोग हो रहा है। इस्त्राइल, गाजापट्टी, रूस, यूक्रेन में इसका प्रत्यक्ष प्रदर्शन हो रहा है। उन आविष्कारों में एक है मोबाइल फोन और सोने पे सुहागा ये है कि प्राय: हर मोबाइल फोन में वीडियो बनाने की सुविधा भी है, सिवा कुछ पुरातन युग के मोबाइल के जिन्हें फीचर फोन के नाम से जाना जा रहा है। सभी मनुष्यों में वीडियो बनाने की क्षमता और लगन का उत्तरोत्तर विकास होता जा रहा है।

आपको बता दें कि इस क्षमता का विकास इतना हो गया है कि अब कहीं कोई दुर्घटना होती है तो वहां उपस्थित लोग सब काम छोड़कर अपने मोबाइल में उपलब्ध वीडियो बनाने के फीचर और अपनी वीडियो बनाने की क्षमता दोनों का तहे दिल से प्रयोग करने लगते हैं। घायलों का कराहना, उनकी सहायता के लिए चीख-पुकार, उनके चेहरे पर फैली विवशता और घबराहट, उनके सिर से बह रहा खून आदि की किसी को फिक्र नहीं होती। ऐसे में दृश्य को फिल्माने के स्थान पर कोई अपना समय एंबुलेंस बुलाने में गंवाए यह तो मोबाइल के स्वामी की वीडियो बनाने की क्षमता दोनों का अपमान होगा। इसके साथ ही ईश्वर द्वारा रचित सर्वश्रेष्ठ कृति की सर्वश्रेष्ठता पर भी प्रश्न-चिह्न खड़ा करेगा। आने वाले समय में इस कला का इतना विकास हो जाएगा कि घर में कोई बीमार पड़ेगा तो सबसे पहले वीडियो बनेगा, कोई गिर पड़ेगा तो सबसे पहले वीडियो बनेगा। किसी को हृदयाघात होगा तो सबसे पहले वीडियो बनेगा। किसी की मृत्यु होगी तो सबसे पहले वीडियो बनेगा। इसके बाद यदि समय बचा, यदि माहौल अनुकूल हुआ तो फिर चिकित्सा की व्यवस्था की जाएगी। आखिर हजारों रुपये खर्च होते हैं मोबाइल खरीदने में। तो क्यों न उसके इस फीचर का शतप्रतिशत प्रयोग हो? ऐसे में मनुष्य ईश्वर की सबसे उत्कृष्ट कृति है, सिर्फ एक मनुष्य में ही बुद्धि और विवेक है। उसे सोचने समझने की शक्ति का इस्तेमाल करिए।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

परमाणु पनडुब्बियों से बढ़ती रक्षा क्षमता

सी उदय

भारत के नौसैनिक बेड़े में परमाणु पनडुब्बियों की संख्या में बढ़ोतरी उत्साहजनक है क्योंकि भारत ०को समुचित संख्या में रणनीतिक प्लेटफॉर्मों की जरूरत है। चौथे परमाणु-चालित बैलेस्टिक मिसाइल पनडुब्बी का हालिया परीक्षण इस दिशा में एक अहम कदम है। बीते अगस्त में दूसरी परमाणु-चालित बैलेस्टिक मिसाइल पनडुब्बी आइएनएस अरिघात को नौसेना में शामिल किया गया है। अगले साल आइएनएस अरिधमान के शामिल किये जाने की योजना है। आइएनएस अरिहंत पहले से ही सेवा में है। कुछ अन्य पनडुब्बियों का निर्माण कार्य भी चल रहा है। ऐसे रणनीतिक प्लेटफॉर्मों की जरूरत इसलिए होती है कि ये ठोस डिटेरेंस का काम करती हैं। इनसे किसी हमले की स्थिति में जवाबी कार्रवाई करने की क्षमता में भी बढ़ोतरी होती है। यह भी समझा जाना चाहिए कि इन परमाणु पनडुब्बियों से केवल नौसैनिक क्षमता ही बेहतर नहीं होती है, बल्कि समूची राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती मिलती है। यह भारत की राष्ट्रीय रणनीतिक क्षमता का एक हिस्सा है। पनडुब्बियों के संचालन समेत अन्य पेशेवर आयामों का जिम्मा जरूर नौसेना का होता है, पर इनसे पूरी सामरिक शक्ति को बल मिलता है।

सेवानिवृत मेजर जनरल बीसी खंडूरी की अध्यक्षता में रक्षा मामलों की संसदीय स्थायी समिति ने 2018 में संसद को एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट सौंपी थी, जिसमें रेखांकित किया गया था कि सामरिक क्षमता के मामले में तीनों सशस्त्र सेनाओं में अनेक कमियां हैं। रिपोर्ट में नौसेना की कमियों को विशेष रूप से उल्लिखित किया गया था। उसमें कहा गया था कि नौसेना के पास समुचित संख्या में पनडुब्बियां नहीं हैं और रणनीतिक चुनौतियों को देखते हुए इस कमी को जल्दी दूर किया जाना चाहिए। तो अभी जो किया जा रहा है, वह उसी कमी को पाटने का प्रयास है। भारत ने 2001-02 में एक योजना बनायी थी, जिसमें आगामी तीस वर्षों के लिए कार्यक्रम प्रस्तावित किये गये थे। उस कार्यक्रम को कभी भी ठीक से न तो बजट आवंटित हुआ और न ही मंजूरी मिली।

अब धीरे-धीरे उस दिशा में कुछ-कुछ प्रयास हो रहे हैं। बहरहाल, जब ये पनडुब्बियां पूरी तरह से सेवारत हो जायेंगी, तो चीन के बरक्स एक डिटेरेंट के रूप में हिंद महासागर क्षेत्र में बड़े दायरे में, या जहां जरूरत होगी, अपनी गतिविधियां कर सकेंगी। लेकिन अभी जो पनडुब्बियों की प्रस्तावित संख्या है, उसे पर्याप्त नहीं कहा जा सकता है। भविष्य में कितनी

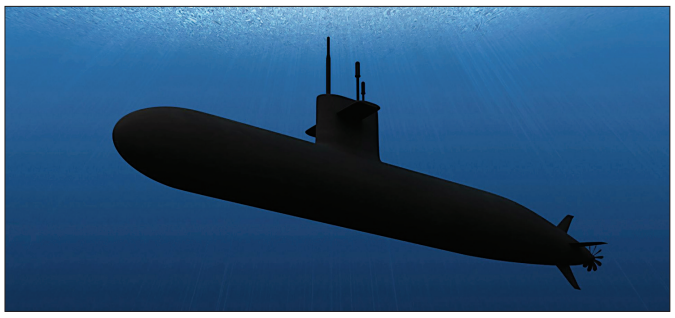

पनडुब्बियां नौसैनिक बेड़े में शामिल की जायेंगी, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि भारत अपनी सैन्य क्षमता को बढ़ाने के लिए क्या प्राथमिकताएं निर्धारित करता है। परमाणु या अन्य क्षमताओं से लैस पनडुब्बियों की संख्या बढ़ाने के लिए जरूरी है कि भारत के पास आवश्यक तकनीकी और निर्माण क्षमता हो। यह सराहनीय है कि देश में साजो-सामान के उत्पादन के क्षेत्र में विकास हो रहा है तथा पनडुब्बियों में घरेलू चीजों का अधिक इस्तेमाल संभव हो रहा है, लेकिन अभी भी हमारी क्षमता बहुत कम है। भारत क्वाड समूह का सदस्य है, जिसमें अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया भी हैं। यह समूह व्यापक मायनों में चीन की ओर से आने वाले खतरे का सामना करने में मददगार हो सकता है, पर यह ध्यान रखना चाहिए कि भारत अमेरिका या किसी अन्य क्वाड सदस्य देश का सैन्य सहयोगी नहीं है। ऐसे में उन देशों से मिलने वाली या मिल सकने वाली सैन्य मदद सीमित होगी। खैर, चीन की आक्रामकता को देखते हुए पनडुब्बियों को बेड़े में शामिल किया जाना देश के रणनीतिक हिंद-प्रशांत फ्रेमवर्क में महत्वपूर्ण कदम है। भारत के अलावा केवल पांच देशों- अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और चीन- के पास परमाणु-चालित बैलेस्टिक मिसाइल पनडुब्बियां हैं। भारत 2018 में इस समूह का हिस्सा बना। भारत द्वारा ऐसी पनडुब्बियों के निर्माण पर पड़ोसी देशों की नजर जरूर होगी। चीन की नौसैनिक क्षमता, खासकर पनडुब्बी क्षमता, भारत से बहुत अधिक है, लेकिन परमाणु पनडुब्बियों से भारत की सेकेंड-स्ट्राइक क्षमता बढ़ेगी। इस क्षमता को आवश्यक स्तर पर ले जाने के लिए हमें अधिक पनडुब्बियों को बेड़े में शामिल करना होगा।

इसी महीने सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमिटी ने दो पनडुब्बियों के निर्माण को मंजूरी दी है, जिनका डिजाइन और निर्माण देश में ही होगा। इन्हें विशाखापट्टनम में बनाया जायेगा। यह एक बड़ा नीतिगत निर्णय है और महत्वाकांक्षी भी। पारंपरिक डीजल-बिजली चालित पनडुब्बी के डिजाइन और निर्माण की समुचित क्षमता भारत के पास नहीं है, फिर भी परमाणु अस्त्र से लैस परमाणु पनडुब्बियों के निर्माण की ओर भारत का रुख करना महत्वपूर्ण है। लगभग 17 साल पहले ऐसी पनडुब्बियों को लाने का विचार हुआ था, जो अब फलीभूत होता दिख रहा है। अब इस मंजूरी के साथ समुचित बजट आवंटन की दरकार है। तकनीकी रूप से परमाणु पनडुब्बी एक जटिल प्लेटफॉर्म है, इसलिए इस क्षेत्र में हमारी यात्रा लंबी, कठिन और खर्चीली होगी। बहरहाल, तमाम साजो-सामान, प्रणाली और मिसाइलों के साथ जब यह पनडुब्बियां समुद्र में उतरेंगी, तो दूसरी नौसेनाओं को गतिविधियां करते समय उनका संज्ञान लेना ही पड़ेगा।

पंजाब की सियासत में अमरेंद्र की सरगर्मी के मायने

ज्योति मल्होत्रा

वरिष्ठ भाजपा नेता कैप्टन अमरेंद्र सिंह की तुलना लेनिन या नेपोलियन से करना कुछ ज्यादा ही हो सकता है, उक्त दोनों के बारे में माना जाता है कि उन्होंने स्वीकार किया था कि वे नेता इसलिए बने क्योंकि मिले अवसर का पूरा लाभ उठाया था। साल 1917 में लंदन से सेंट पीटर्सबर्ग लौटने पर लेनिन ने कहा था कि सत्ता उन्हें सेंट पीटर्सबर्ग की सड़कों पर पड़ी मिली और उन्होंने तो महज उठाने का काम किया था। इसके बाद वह रूसी क्रांति हुई जिसने रूस और दुनिया के बड़े हिस्से की सूरत बदल दी थी। इससे लगभग सौ साल पहले, 1815 में, सेंट हेलेना में निर्वासन के दौरान नेपोलियन ने अपने करीबी विश्वासपात्र चार्ल्स ट्रिस्टन से कहा था, 'मैंने किसी को गद्दी से नहीं उतारा। मुझे ताज गटर में पड़ा मिला। मैंने उसे उठाया और लोगों ने वह मेरे सिर पर रख दिया'।

यह स्पष्ट नहीं है कि पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) या फिर विपक्षी कांग्रेस या अकाली दल या भाजपा में से किसी को अपने कंधों पर इतिहास की जिम्मेदारी का अहसास है। बीते शुक्रवार की सुबह खन्ना मंडी में अपनी फसल की सरकारी खरीद किए जाने का सब्र से इंतजार कर रहे उम्रदराज किसानों से घिरे अमरेंद्र सिंह जब अपनी अंगुलियों के बीच से गुजार कर दानों का जायजा ले रहे थे तो उस वक्त खन्ना एशिया की सबसे बड़ी अनाज मंडी में लाखों क्विंटलों धान का अम्बार खुले में पड़ा था। समय पर धान की खरीद न होने का किस्सा आज पंजाब में राजनीतिक संकट के केंद्र में है क्योंकि सूबे की खेती दो-फसलीय चक्र पर टिकी है। चूंकि जब धान की बुवाई, रोपाई जुलाई में हो रही थी तो उस समय लोकसभा चुनाव चल रहे थे और कटाई का वक्त आया तो अक्टूबर के शुरू में पंचायत चुनाव और आगामी नवंबर में जालंधर (पश्चिम) और चार अन्य विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव होने जा रहे हैं। इसलिए राजनेताओं का इनमें लगातार उलझे रहना लाजिमी था।

इसके अलावा, पंजाब में सत्तारूढ़ आप आदमी पार्टी की सरकार अपने कार्यकाल का आधा रास्ता तय कर चुकी है, तो स्वाभाविक रूप से कुछ सुस्ती घर करने लगी है। बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की अफवाहें हैं। जहां मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अपनी नजदीकी मंडली के लोगों को बदला है वहीं सूबे की गिरती वित्तीय स्थिति संभालने के लिए सलाहकारों को लाया जा रहा है। और फिर फरवरी 2025 में दिल्ली में चुनाव होने हैं, जिसमें आप और भाजपा के बीच करो या मरो की लड़ाई होने की उम्मीद है। इसमें ज्यादा अक्ल लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी कि अरविंद केजरीवाल और उनकी मंडली नहीं चाहेगी कि पंजाब में कुछ भी ऐसा हो जिसके असर से दिल्ली की लड़ाई कमजोर पड़े। यही कारण है कि पंजाब में फिर जोर पकड़ रहे किसानों के विरोध प्रदर्शनों का इतना महत्व है, भले ही उनमें से कई इस चक्कर में अपना नुकसान करवाने के आदी लगते हैं- अपने पांव पर कुल्हाड़ी मारने जैसा। पिछले कई दिनों में, किसानों ने रेल पटरियों, सड़कों और राजमार्गों को धरना लगाकर अवरुद्ध किया है और राजनेताओं के घरों के सामने भी प्रदर्शन कर रहे हैं।

यहीं पर विडंबना है, और यही वजह है कि पंजाब में 'आप' का आधा कार्यकाल पूरा होने के वक्त, कहानी एक बार फिर से पलटने का खतरा है। जहां पंजाब के किसान अभी भी भाजपा को उन तीन कृषि कानूनों के लिए माफ करने के मूड में नहीं हैं, जो उसने 2020 में उन पर थोपने की कोशिश की थी - और वे भाजपा उम्मीदवारों को गांवों में प्रचार के लिए घुसने की अनुमति न देकर दंडित कर रहे हैं - वहीं यह भी सच है कि 'आप' पर भी उनका कोपभाजन बनने का खतरा मंडराने लगा है। राजनीति, पूर्वानुमानित और उबाऊ, दोनों है। 'आप' सरकार भाजपा शासित केंद्र पर आरोप लगा रही कि वह पिछले साल के बचे धान भंडार को पंजाब से उठवाने से हील-हुज्जत कर रहा है, यही वजह है कि मंडियां और सड़कें धान से पटी हुई हैं, पंजाब सरकार का कहना है कि केंद्र ने मौजूदा फसल को उठवाने के लिए रोजाना 17 मालगाड़ियां चलाने का वादा किया था, लेकिन वे पर्याप्त नहीं आ रहीं। वहीं भाजपा ने अपनी प्रतिक्रिया में भगवंत मान पर झूठ बोलने का आरोप मढ़ा है। बदतर कि धान खरीद को लेकर आप-भाजपा का आमना-सामना कई आसन्न संकटों के मद्देनजर है, जिनमें कुछ खुद के पैदा किए गए हैं।

पंजाब के सबसे बड़े शहरों में नागरिक सुविधाएं बदहाल हैं -कूड़े के ढेर, अतिक्रमण, खुली सीवर लाइनें, अस्पतालों का बुरा हाल और सरकारी स्कूलों में स्कूली शिक्षकों की कमी निराशाजनक हाल का बखान करती है। कृषि में संकट जारी है, मामला चाहे जुर्माने या किसान के रिकॉर्ड में रेड एंट्री के बावजूद पराली जलाने के अड़ियलपन का हो या मुफ्त की बिजली देने पर राज्य के खजाने पर पड़ते भारी बोझ का हो या फिर निरंतर गिरते भू-जल स्तर का। हेरोइन की बढ़ती लत -आम बोलचाल की भाषा में 'चिट्टा' या 'सफेद पाउडर'-इसका कारोबार भारतीय और पाकिस्तानी एजेंटों के शातिर नेटवर्क द्वारा जारी है और इस काम में सीमापारीय ड्रोन बरते जा रहे हैं। सब्सिडी देने में राज्य के खजाने पर पड़ रहा 22,000 करोड़ रुपये का वित्तीय बोझ एक खुला रहस्य है, साथ ही इसको चुकाने में बढ़ती असमर्थता भी। ढाई साल पहले, भगवंत मान ने कांग्रेस को सत्ता से बेदखल किया था और अकाली दल को फिर से संगठित होने और भाजपा को पनपने का मौका नहीं दिया। पंजाब के लोग शायद अभी भी भाजपा को वोट देने के लिए तैयार न हों, लेकिन पंजाब के चतुर राजनेता अच्छी तरह जानते हैं कि हर चुनाव में भाजपा के वोट बढ़ रहे हैं।

पद्मावती मंदिर, आंध्र प्रदेश

आंध्र प्रदेश के तिरुचानूर में माता लक्ष्मी का प्रसिद्ध श्री पद्मावती देवी मंदिर स्थित है। तिरुपति बालाजी मंदिर जाने वाले भक्तों को पद्मावती मंदिर जरूर जाना चाहिए। मान्यता है कि तिरुपति बालाजी मंदिर आने वालों की मनोकामना तभी पूरी होती हैं जब वो पद्मावती देवी के दर्शन भी किए जाते हैं। यहां दिवाली बहुत ही धूमधाम से मनाई जाती है।

श्री महालक्ष्मी मंदिर, मध्य प्रदेश

अपने वैभव के लिए जाना जाने वाला देवी लक्ष्मी मंदिर मध्य प्रदेश के रतलाम में स्थित है। यहां दिवाली बहुत ही धूमधाम से मनाई जाती है। धनतेरस से लेकर दिवाली तक इस मंदिर में माता लक्ष्मी को सोने के आभूषणों से सजाया जाता है। यहां दिवाली में माता केभक्तों की बहुत भीड़ होती है। दिवाली मनाने से पहले या दीपावली वाले दिन आप इस मंदिर में दर्शन के लिए जा सकते हैं। माता के दर्शन से लाभ होगा।

दिवाली पर इन मंदिरों में माता लक्ष्मी के करें दर्शन

दीपों का त्योहार दिवाली इस साल 31 अक्टूबर को मनाया जा रहा है। पूरे भारत में दिवाली का त्योहार बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की जाती है। माना जाता है कि कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की अमावस्या को समुद्र मंथन से मां लक्ष्मी प्रकट हुई थीं। इसलिए इस दिन माता लक्ष्मी की पूजा का विधान है। इस मौके पर लोगों के घरों, दफ्तरों और मंदिरों में माता लक्ष्मी का पूजन होता हैं। दिवाली की रात शुभ मुहुर्त में लक्ष्मी पूजन किया जाता है। इस मौके पर आप महालक्ष्मी के प्रसिद्ध मंदिरों के दर्शन भी कर सकते हैं। दीपोत्सव के दौरीन इन लक्ष्मी मंदिरों में धूमधाम से दिवाली मनाई जाती है। जहां आप दिवाली के मौके पर दर्शन करने और मां लक्ष्मी का आशीर्वाद पाने के लिए जा सकते हैं।

श्रीपुरम महालक्ष्मी स्वर्ण मंदिर, तमिलनाडु

श्रीपुरम महालक्ष्मी स्वर्ण मंदिर को दक्षिण भारत का स्वर्ण मंदिर कहा जाता है। माता रानी का ये मंदिर लगभग 1500 किलोग्राम शुद्ध सोने से निर्मित है। यह मंदिर तमिलनाडु में है। यहां दिवाली पर बहुत से भक्त अपनी मनोकामना की पूर्ति के लिए जाते हैं। यहां दिवाली पर बहुत भीड़ होती है, दिवाली पर इस मंदिर को बहुत ही सुन्दर सजाय जाता है। यह मंदिर लगभग 100 एकड़ में बना है।

महालक्ष्मी मंदिर, मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में महालक्ष्मी मंदिर है। यहां हर भक्त की मनोकामना पूरी होती है। इस मंदिर में माता लक्ष्मी के साथ माता काली और माता सरस्वती भी विराजमान हैं। दिवाली पर मंदिर को बहुत ही सुंदर सजाया जाता है और भव्य पूजा की जाती है। दिवाली पर माता लक्ष्मी जी के दर्शन के लिए यहां जा सकते हैं। इस दिन दर्शन करने जाना शुभ माना जाता है। लोगों का मानना है कि दिवाली के दिन ऐतिहासिक मंदिरों में माता के दर्शन से धन की प्राप्ति होती है।

लक्ष्मीनारायण मंदिर, दिल्ली

दिल्ली का लक्ष्मीनारायण मंदिर बिड़ला मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। मंदिर में माता लक्ष्मी अपने पति श्री विष्णु भगवान के साथ विराजमान हैं। यहां भक्तों की बहुत भीड़ देखने को मिल जाती है। मान्यता है कि इस मंदिर में आने वाले सभी भक्तों की मनोकामना पूरी होती है। दिवाली में यहां लोग अपनी मनोकामना को पूरी करने के लिए जाते हैं।

हंसना मना है

प्रेमी और प्रेमिका छत पर बैठे थे। चांदनी छिटकी हुई थी, अचानक प्रेमिका बोली- मेरी इच्छा है कि मैं अगले जन्म में चांद बनूं। प्रेमी- हा! प्रिय मेरी इच्छा है कि मैं चांद पर उतरने वाला पहला अन्तरिक्ष यात्री बनूं।

प्रेमी-प्रेमिका ने जब एक दूसरे को विवाह का वचन दे दिया। प्रेमिका- परन्तु प्रिय, एक बात मैं पहले साफ कर दूं -मुझे खाना पकाना नहीं आता। प्रेमी - कोई बात नहीं मैं भी पहले ही साफ किये देता हूं, मैं कवि हूं, मेरे घर में पकाने के लिए कुछ है ही नहीं।

लड़की- मुझे ऐसे क्यूं देख रहे हो, घर में मां-बहन नहीं हैं क्या? लड़का- हैं इसलिए तो देख रहा हूं। लड़की- क्या मतलब? लड़की- दरअसल मेरी छोटी बहन को भाभी चाहिए।

संता की बीवी- सुनिए जी, रात नींद में आप मुझे गालियां दे रहे थे, संता- ओ नहीं सोणिये, ये तुम्हारा वहम है, बीवी - क्या वहम है? संता- यही कि मैं नींद में था।

मुह दिखाई पर पति ने पत्नी को गुलाब का फूल भेंट दिया। पत्नी- कुछ सोने की चीज दो! पति- ले तकिया ले और सो जा!

कहानी | शेर और बिल्ली

नील नामक जंगल में एक होशियार बिल्ली रहती थी। हर कोई उससे ज्ञान प्राप्त करना चाहता था। सारे जानवर उसे बिल्ली मौसी कहते थे। कुछ जानवर उस बिल्ली मौसी से पढ़ने के लिए भी जाते थे। एक दिन बिल्ली मौसी के पास एक शेर आया। उसने कहा, मुझे भी आपसे शिक्षा चाहिए। मैं आपका छात्र बनकर आपसे सबकुछ सीखना चाहता हूं, कुछ देर सोचने के बाद बिल्ली बोली, ठीक है, तुम कल से पढ़ने के लिए आ जाना। अगले दिन से रोजाना शेर बिल्ली मौसी के यहां पढ़ने के लिए आने लगा। एक महीने बाद बिल्ली ने शेर से कहा, अब तुम मुझसे सब कुछ सीख चुके हो। तुम्हें कल से पढ़ाई के लिए आने की जरूरत नहीं है। शेर ने पूछा, आप सच कह रही हैं? मुझे सब कुछ आ गया है, क्या? बिल्ली ने कहा हां, शेर ने दहाड़ते हुए कहा, चलो फिर क्यों ना आज इस विद्या को तुम पर ही आजमा कर देख लिया जाए। डर के मारे सहमी हुई बिल्ली मौसी ने कहा, बेवकूफ, मैं तुम्हारी गुरु हूं। मैंने तुम्हें शिक्षा दी है, शेर ने बिल्ली की एक न सुनी और उसपर झपट पड़ा। अपनी जान बचाने के लिए बिल्ली दौड़ते-दौड़ते वह पेड़ पर चढ़ गई। शेर ने कहा, तुमने मुझे पेड़ पर चढ़ना नहीं सिखाया। पेड़ पर चढ़ने के बाद राहत की सांस लेते हुए बिल्ली ने जवाब दिया, मुझे तुम पर पहले दिन से ही विश्वास नहीं था। मैं जानती थी कि तुम मुझसे सीखने के लिए तो आए हो, लेकिन मेरे ही जीवन के लिए आफत बन सकते हो। अगर मैंने तुम्हें यह ज्ञान भी दिया होता, तो तुम आज मुझे मार डालते। बिल्ली बोली, तुम आज के बाद मेरे सामने कभी मत आना। ऐसा शिष्य जो अपने गुरु का सम्मान नहीं कर सकता, वो किसी क़ाबिल नहीं। बिल्ली मौसी की बात सुनकर शेर को भी गुस्सा आया, लेकिन वो कुछ नहीं कर सकता था, क्योंकि बिल्ली पेड़ पर थी। गुस्से को मन में लेकर शेर वहां से दहाड़ते हुए चला गया।

7 अंतर खोजें

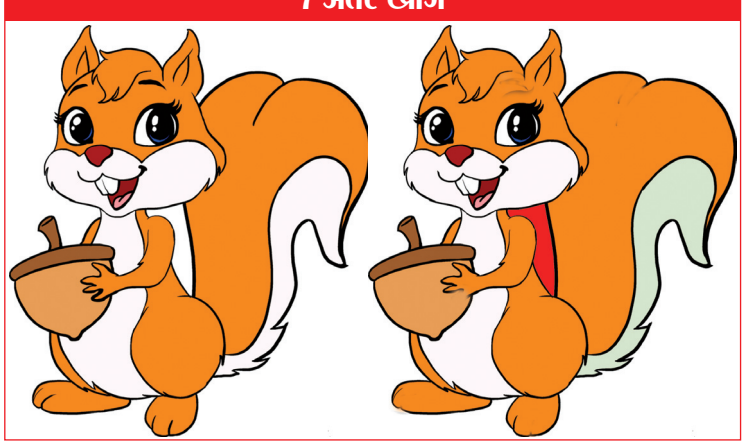

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा, सावधानी रखें। बुरी खबर मिल सकती है। भागदौड़ अधिक रहेगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। मेहनत अधिक होगी।

वृषभ सामाजिक कार्य करने का मन लगेगा। मान-सम्मान मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मिथुन पुरानी संगी-साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। आत्मसम्मान बना रहेगा। जल्दबाजी न करें।

कर्क बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा।

सिंह दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। फालतू खर्च पर नियंत्रण नहीं रहेगा। हल्की मजाक करने से बचें। अपेक्षित काम में विलंब होगा। बेकार की बातों पर ध्यान न दें।

कन्या यात्रा लाभदायक रहेगी। संतान पक्ष से बुरी खबर मिल सकती है। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। रोमांस में सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा।

तुला सामाजिक कार्य करने में मन लगेगा। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक चोट व रोग से कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

धनु चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है।

मकर यात्रा लाभदायक रहेगी। राजकीय सहयोग मिलेगा। सरकारी कामों में सहूलियत होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर में सुख-शांति रहेंगे। झंझटों में न पड़ें।

कुम्भ ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। विवेक से कार्य करें।

मीन पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। आनंद के साथ समय व्यतीत होगा। मनपसंद व्यंजनों का लाभ मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे एक नामी हीरो ने अकेले में मिलने को बुलाया था : ईशा

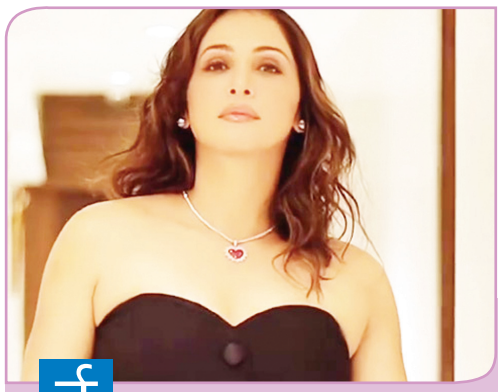

ईशा कोप्पिकर ने साल 2000 में हिंदी फिल्मों में अभिनय करना शुरू किया। कुछ ही समय में वह अपने लिए बॉलीवुड में अलग पहचान बनाने में कामयाब रही। एक तरफ उन्होंने जहां अच्छी भूमिकाएं कई फिल्मों में कीं और अभिनय करने का खूब आनंद लिया, वहीं बॉलीवुड के एक स्याह पक्ष से भी ईशा रूबरू हुई। दरअसल, उन्हें अपने करियर के शुरुआती दौर में कास्टिंग काउच का सामना करना पड़ा। इसी बारे में एक इंटरव्यू में ईशा कोप्पिकर ने खुलकर बात की। ईशा बताती हैं, मेरी उम्र उस समय महज 18 साल रही होगी। मुझे उस समय एक नामी हीरो के सेक्रेटरी ने संपर्क किया। उन्होंने कहा कि अगर काम पाना है तो अभिनेता के साथ थोड़ा फ्रेंडली होना होगा। मैं वैसे तो एक मिलनसार लड़की थी लेकिन यहां पर फ्रेंडली का कोई और मतलब था। इसी तरह एक बार एक अभिनेता ने भी मुझे अकेले मिलने को बुलाया। ईशा ने यह भी बताया कि वह अभिनेता काफी नामी था। अगर ईशा के करियर की बात की जाए तो उन्होंने बॉलीवुड में काम करना काफी कम कर दिया है। साल 2022 में उन्होंने एक फिल्म लव यू लोकतंत्र की। इसके बाद से वह बॉलीवुड के किसी प्रोजेक्ट में नजर नहीं आईं। ऐसा भी नहीं है कि उन्होंने एक्टिंग करना बिल्कुल ही छोड़ दिया है। वह अब साउथ और मराठी फिल्मों में दमदार किरदार करती हुई नजर आ रही हैं। वह अपने काम से काफी खुश भी हैं। आगे भी अच्छे किरदार करने की ख्वाहिश रखती हैं। ईशा कोप्पिकर के फिल्मी करियर की तरह ही उनके निजी जीवन में भी काफी उतार-चढ़ाव आए हैं। उनका अपने पति से तलाक हो गया है। अब वह अपनी बेटी की परवरिश अकेले ही कर रही हैं और इसी के साथ चुनिंदा फिल्में भी कर रही हैं।

बड़े पर्दे पर भौकाल मचाने आ रही है कालीन भैया की मिर्जापुर

मिर्जापुर सीरीज के रूप में खूब लोकप्रिय रही। इसके तीन सीजन आ चुके हैं। अब मिर्जापुर की कहानी बड़े परदे पर आ रही है, वह भी फिल्म के रूप में। मिर्जापुर फिल्म का एलान हो गया है। इस बार कालीन भैया का भौकाल बड़े परदे पर दिखाई देगा। मुन्ना भैया भी फिल्म में नजर आएंगे।

बॉलीवुड | गपशप

प्राइम वीडियो की सीरीज मिर्जापुर का जादू दर्शकों पर खूब चला। एक के बाद एक इस सीरीज के तीन सीजन अब तक आ चुके हैं। यह चर्चित सीरीज अब फिल्म के रूप में सिनेमाघरों तक पहुंचेगी। एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित इस फिल्म में पैसा प्राइम वीडियो लगाएगा। सीरीज की तरह ही मिर्जापुर फिल्म का निर्माण भले ही फरहान अख्तर की एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले हो रहा है लेकिन, इसकी फंडिंग प्राइम वीडियो की तरफ से होगी। यहां ये समझना होगा कि भारत में सिनेमा के संदर्भ में प्रोड्यूसर या निर्माता हमेशा पैसा लगाने वाली कंपनी नहीं होती। सिर्फ फिल्म को शुरू से आखिर तक बनाने वाली पार्टी भी प्रोड्यूसर हो सकती है, बिना एक भी पैसा लगाए।

अब नए रूप में नजर आएगा 'छोटा पंडित'

राजपाल यादव ने बॉलीवुड में अपने अभिनय और किरदारों के दम पर प्रशंसकों का दिल जीता है। अभिनेता ने कई हिट और सुपरहिट फिल्मों में अपने किरदार के माध्यम से अमिट छाप छोड़ी है। उन्हीं में से एक फिल्म है 'भूल भुलैया', जिसमें उन्होंने 'छोटा पंडित' का किरदार निभाया है। 'छोटा पंडित' के किरदार ने प्रशंसकों की काफी सराहना प्राप्त की है। अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग से राजपाल ने इस किरदार को कभी ना भूलने वाला बना दिया है।

अब वह 'भूल भुलैया 3' में तीसरी बार अपने इस किरदार में नजर आएंगे। कलाकारों के बदलाव और बदलती कहानियों के बीच, 'छोटा पंडित' ने लगातार अपनी प्रासंगिकता को बरकरार रखा हुआ है। 2007 में 'भूल भुलैया' के प्रीमियर के बाद से, 'छोटा पंडित' ने एक अमिट छाप छोड़ी है। वह एकमात्र किरदार है जिसने पहली बार फिल्म में मंजुलिका (विद्या बालन) को देखा, एक ऐसा अनुभव जिसने उसके व्यक्तित्व को मौलिक रूप से बदल दिया। राजपाल यादव ने अक्षय कुमार के साथ 2007 की फिल्म 'भूल भुलैया' और कार्तिक आर्यन के साथ 2022 की सीक्वल 'भूल भुलैया 2' दोनों में अभिनय किया। अब, वह तीसरी किस्त में अपनी भूमिका को फिर से निभाने के लिए तैयार हैं।

छोटा पंडित एक ऐसा किरदार है जो किसी और का नहीं बल्कि खुद का मजाक उड़ाता है

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए राजपाल ने कहा, वह सिर्फ एक किरदार नहीं बल्कि एक कैरिकेचर, एक कॉमिक आर्कटाइप है। हमारी भारतीय संस्कृति में, भरत मुनि के नाट्यशास्त्र में सूत्रधार (कथावाचक) और विदूषक (जोकर) जैसे किरदारों की कल्पना की गई थी। छोटा पंडित उसी का प्रतीक है, एक ऐसा किरदार जो किसी और का नहीं बल्कि खुद का मजाक उड़ाता है, जो कहानी में हास्य देता है। उन्होंने आगे कहा, आपने उन्हें अलग-अलग रंगों में देखा होगा- पहली फिल्म में लाल और दूसरी में आग से खुद को बचाने के लिए सफेद। अब, वह खुद को सारी नकारात्मकता से मुक्त करने के लिए चंदन के लेप में लिपटे हुए दिखाई देते हैं, जो एक नया, हास्यपूर्ण आयाम लेकर आता है। राजपाल यादव 'भूल भुलैया 2' के बाद फिर से कार्तिक आर्यन के साथ काम करने को लेकर रोमांचित हैं।

अजब-गजब | दीवाली के अलावा एकादशी के दिन घरों को करते हैं रोशन

अपने को पृथ्वीराज चौहान के वंशज बताने वाले ये लोग दीवाली के दिन मनाते हैं शोक

दिवाली का पावन त्योहार आने में कुछ ही दिन शेष हैं। रोशनी का यह त्योहार पूरे देश में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। हिंदु धर्म में इस त्योहार का विशेष महत्व है। लोग कई दिनों पहले से ही दिवाली की तैयारियां शुरू कर देते हैं। लोग अपने घरों की साफ सफाई करते हैं और उसे पेंट कराते हैं। घर को सजाया जाता है। नए कपड़े, मिठाइयां और पटाखे खरीदे जाते हैं। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में दिवाली के त्योहार का विशेष उत्साह रहता है। दिवाली के दिन घरों को दीयों से जगमग कर दिया जाता है। लेकिन क्या आपको पता है कि हमारे देश में ही एक जगह ऐसी भी है, जहां दिवाली नहीं मनाई जाती। यहां दिवाली के दिन लोग खुशियों के बजाय शोक मनाते हैं।

दिवाली के दिन जहां पूरा देश रोशनी के इस पर्व में जगमग करता है, वहीं उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में एक गांव ऐसा भी हैं, जहां दिवाली को शोक दिवस के रूप में मनाया जाता है। यहां इस दिन किसी भी घर में कोई पूजा-अर्चना तो दूर घर में दीपक तक नहीं जलाता। हैरान करने वाली बात तो यह है कि यह परंपरा सालों से चली आ रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यूपी के मिर्जापुर के मड़हिान तहसील के राजगढ़ इलाके के अटारी गांव

में दिवाली को शोक दिवस के रूप में मनाते है। इस गांव के अलावा इसके आसपास बसे करीब आधा दर्जन गांव मटिहानी, लालपुर, मिशुनपुर, खोराडीह में दिवाली का त्योहार शोक दिवस के रूप में मनाया जाता है। सभी गांवों में रहने वाले चौहान समाज की करीब आठ हजार की आबादी सैकड़ों साल से इस परंपरा को निभाती चली आ रही है। सैंकड़ों सालों से चली आ रही इस परंपरा का निर्वाह आज भी यहां के लोग कर रहे हैं।

बताया जाता है कि इन गांवों में बसे चौहान समाज के लोग खुद को अंतिम हिन्दू सम्राट पृथ्वीराज चौहान का वशंज बताते हैं। ऐसे में इन लोगों का मानना है कि दिवाली के दिन ही मोहम्मद गौरी ने सम्राट पृथ्वीराज चौहान की हत्या की थी। इतना ही नहीं गौरी ने शव को गंधार में ले जाकर दफनाया भी था। इस वजह से लोग इस दिन अपने घरों में कोई रोशनी नहीं करते। इसी कारणवश समाज के लोग दीपावली के पर्व को शोक मनाते हैं। यहां लोग दिवाली की जगह देव दीपावली (एकादशी) के दिन खुशी-खुशी से पूजा-अर्चना कर घरों को रोशन करते हैं।

इस नागिन ने मचाया तांडव, पांच को डंसा, तीन की मौत, खौफ में गांव वाले

यूपी के हापुड़ जिले में स्थित सदरपुर गांव के लोग इन दिनों दशहत में जी रहे हैं। गांव के लोगों के खौफ का कारण एक जहरीली नागिन है। रिपोर्ट्स के अनुसार, शाम होते ही यह जहरीली नागिन अपने बिल से बाहर आ जाती है और फिर गांव के लोगों को अपना शिकार बनाती है। हाल ही में इस नागिन ने 5 लोगों को डंस लिया। इनमें से तीन की मौत हो गई और दो की हालत गंभीर बनी हुई है। इस नागिन का खौफ गांव के लोगों में है। खबरों के अनुसार, इस नागिन ने हाल ही में एक महिला और उसके बेटा–बेटी को डंस लिया। दरअसल, एक मकान में महिला अपने बेटा-बेटी के साथ सो रही थी। रात को आकर नागिन ने उन तीनों को डंस लिया। नागिन के डंसने से तीनों की मौत हो गई। अभी गांव के लोग तीन मौतों को भूल भी नहीं पाए थे कि अगले ही दिन फिर नागिन ने गांव के एक अन्य युवक और एक महिला को काट लिया। बेहोशी की हालत में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, उन दोनों की जान बच गई। सांप के खौफ के चलते हापुड़ के सदरपुर गांव के लोगों की नींद उड़ गई। वन विभाग की टीमें सांप को पकड़ने के लिए लगाई गईं। दावा किया जा रहा है कि वन विभाग की टीम ने उस सांप को पकड़ लिया है, जिसने ग्रामीणों को अपना शिकार बनाया था। टीम उसे अपने साथ ले गई है। अब विभाग जांच-पड़ताल में जुटा हुआ है कि ये सांप किस प्रजाति का है, कितना जहरीला है और कितने वर्ष पुराना है। वन विभाग ने नागिन की पुष्टि नहीं की है लेकिन गांव वाले सांप को नागिन बता रहे हैं। बताया जा रहा है कि हापुड़ के बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र के सदरपुर गांव में बीते दिनों एक सांप ने मकान में सो रही पूनम और उसके दो बच्चों साक्षी और तनिष्क को काट लिया था, जिसकी वजह से तीनों की मौत हो गई थी। ग्रामीण तीनों का अंतिम संस्कार करके वापस आए ही थे कि रात में ही फिर खबर आई कि सांप ने गांव के ही एक और युवक को काट लिया है। युवक सांप के काटे जाने से अचेत अवस्था में चला गया था। युवक को इलाज के लिए मेरठ के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां वह जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। वन विभाग के अधिकारी का कहना है कि सांप को पकड़ने के लिए वन विभाग की पांच टीमें गांव में मौजूद हैं। इसी बीच सांप ने बुधवार को फिर से गांव में एक और महिला को डंस लिया। इस खबर ने ग्रामीणों के होश उड़ा दिए। महिला को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

बड़का झूठा पार्टी है भाजपा : तेजस्वी

भाजपा के पास चुनाव के लिए मुद्दे नहीं

» बोले- लोगों को धोखा देने के लिए झूठे वादे करती है बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोड्डा/देवघर। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चुनाव के दौरान झूठे वादे करके दौरान झूठे वादे करके लोगों के साथ धोखा करती है। गोड्डा में राजद के उम्मीदवार संजय प्रसाद यादव के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड में झामुमो के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार लोगों के विकास के लिए काम कर रही है और उन्हें आर्थिक व सामाजिक न्याय प्रदान कर रही है।

तेजस्वी यादव ने यह भी कहा कि भाजपा ने पिछले पांच वर्षों में सरकार को अस्थिर करने के लिए हरसंभव प्रयास किए। उन्होंने भाजपा को बड़का झूठा पार्टी करार देते हुए कहा, भाजपा लोगों को धोखा देने के लिए झूठे वादे करती है। यह लोगों के लिए कुछ नहीं करती। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में पिछले पांच वर्षों में तेजी से प्रगति कर रहा है। उन्होंने सोरेन को पांच साल तक भाजपा ने परेशान किया। उन्होंने एक स्थिर सरकार को गिराने की कोशिश की, जो गरीबों, आदिवासियों, दलितों और पिछड़ों के लिए काम कर रही है। लेकिन वे असफल रहे, क्योंकि हम यहां एकजुट थे। यादव ने यह भी कहा कि भाजपा ने केंद्रीय एजेंसियों के जरिए सत्ताधारी गठबंधन के सदस्यों को डराने तकी कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हुए। उन्होंने कहा, यहां एक आदिवासी मुख्यमंत्री को जेल भेजा गया। लेकिन इस बार चुनाव में उन्हें करारा जवाब मिलेगा। यादव ने भरोसा जताया कि गठबंधन झारखंड में फिर से सत्ता में आएगा और राज्य तेजी से प्रगति करता रहेगा। उन्होंने देवघर में भी राजद के उम्मीदवार सुरेश पासवान के समर्थन में भी एक रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा के पास चुनाव के लिए कोई मुद्दा नहीं है। इसके पास सिर्फ हिंदू-मुस्लिम, मंदिर-मस्जिद और कश्मीर-पाकिस्तान के मुद्दे हैं।

किस आधार पर घुसपैठ का आरोप लगाती है भाजपा: सोरेन

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को भाजपा पर आरोप लगाया कि वह झामुमो पर राज्य में घुसपैठियों को समर्थन देने का आरोप लगा रही है। जबकि वास्तविकता यह है कि केंद्र सरकार घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है। मुधुपुर में झामुमो के उम्मीदवार हफीजुल हसन के समर्थन में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सोरेन ने पूछा कि भाजपा और उसके नेता झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ का आरोप किस आधार पर लगाते हैं। जबकि किसी की पहचान नहीं हुई है। उन्होंने कहा, सीमाओं की सुरक्षा केंद्र और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के पास है। यह राज्य सरकार के हाथ में नहीं है। मुझे नहीं पता कि वे (भाजपा) झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ की बात कैसे करते हैं। सोरेन ने कहा, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री (शेख हसीना) को कैसे लैंड करने की अनुमति मिलती है और उन्हें आश्रय दिया जाता है। यह केंद्र सरकार करती है। लेकिन दोषी हमें ठहराती है।

भाजपा सत्ता में आई तो वापस मिलेगी आदिवासियों की जमीन : चंपई सोरेन

» बोले- बांग्लादेशियों की घुसपैठ के कारण कई गांवों में आदिवासियों का मिट चुका है अस्तित्व

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

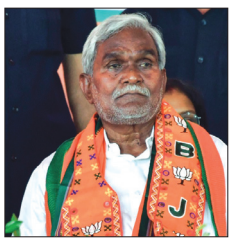

रांची। झारखंड में 81 विधानसभा सीटों पर होने वाले चुनाव के बीच पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने सोमवार को कहा कि आदिवासियों को बांग्लादेशी घुसपैठियों की साजिश से बचाना जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा सत्ता में आती है तो आदिवासियों की कथित तौर पर हड़पी गई जमीन उनको वापस लौटा दी जाएगी। बता दें कि अगस्त में झामुमो छोड़कर भाजपा में शामिल हुए सोरेन सरायकेला विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे।

पूर्व सीएम ने कहा कि सिदो-कान्हो, चांद-वैराभ, फूलो-झानो और बाबा तिलका मांझी जैसे महापुरुषों ने हमारी जमीन की रक्षा के लिए अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी और शहीद हो गए। अब घुसपैठिए उस जमीन को हड़प रहे हैं। सोरेन ने दावा किया कि बांग्लादेशियों की घुसपैठ के कारण कई गांवों में आदिवासियों का अस्तित्व मिट चुका है और आदिवासी महिलाओं की गरिमा खतरे में है। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि घुसपैठियों ने आदिवासियों के धार्मिक स्थलों पर भी कब्जा कर लिया है। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा चुनाव में सत्ता में आती है तो पारंपरिक सामुदायिक संगठनों के प्रमुखों की बैठक बुलाई जाएगी और अवैध रूप से हड़पी गई आदिवासी जमीनों को असली मालिकों को लौटाया जाएगा। बता दें कि झारखंड चुनाव में भाजपा के प्रमुख मुद्दे बांग्लादेशियों की कथित घुसपैठ, स्थानीय आदिवासी महिलाओं से उनकी शादी और आदिवासियों की जमीन हड़पना हैं।

रिहायशी इलाकों में नहीं लगेंगी पटाखा की दुकानें

» त्योहारों को सौहार्दपूर्ण मनाने को लेकर थाना दोस्तपुर परिसर में हुई बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दोस्तपुर। धनतेरस एवं दीपावली को लेकर बाजार में चकाचौंध बढ़ चुकी है, बाजार सज गए हैं तो कस्बे में भीड़ भी बढ़ गयी हैं। वहीं पुलिस भी अब सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था के मद्देनजर सतर्क होने लगी हैं, इसी क्रम में सोमवार को प्रभारी थानाध्यक्ष दोस्तपुर पंडित त्रिपाठी द्वारा संभ्रांत व्यक्तियों, पटाखा विक्रेताओं तथा मूर्ति संस्थापकों के साथ आगामी त्यौहार दीवाली, छठ पूजा धनतेरस को शांति और सौहार्दपूर्ण मनाने को लेकर थाना दोस्तपुर परिसर मे बैठक की गई।

बैठक में मौजूद पटाखा विक्रेताओं से थाना प्रभारी पंडित त्रिपाठी ने कहा पूरे सुरक्षा मानकों के साथ दुकानें निर्धारित स्थान पर ही लगाएं, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कस्बे के अंदर रिहायसी इलाकों में पटाखा की कोई भी दुकान नहीं लगेगी साथ ही यह भी बताया कि जिन दुकानों की अनुमति मिली हैं सिर्फ वहीं दुकानें लगेगीं बिना अनुमति के कोई भी दुकान नहीं लगेगी। बैठक में मूर्ति संस्थापकों ने बताया कि 29 अक्टूबर को दोस्तपुर में लक्ष्मी पूजा की मूर्ति की स्थापना की जाएगी, जबकि बढ़ौली में एक अन्य स्थान पर भी पूजा आयोजित होगी।

गाली देने पर ठेकेदार ने की ब्लॉक प्रमुख पर कार्रवाई की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पीड़ित ने एसीपी फूलपुर को दिया प्रार्थनापत्र

हंडिया। फूलपुर थाना क्षेत्र के बरेस्ता कलां गाव निवासी ठेके दार सुभाष चंद्र ने प्रतापपुर ब्लॉक प्रमुख शैलेश यादव पर जाति सूचक गाली और कमरे में बंधक बनाकर मारने पीटने का आरोप लगाया है। इस बावत दलित ठेके दार ने एसीपी फूलपुर को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

बताया जाता है कि ठेके दार ब्लॉक प्रतापपुर में विकास कार्यों का ठेका लेकर कार्य करता है। 23 अक्टूबर को ब्लॉक प्रमुख ने अपने कार्यालय में बुलाकर दो लाख का कमीशन मांगा जो न देने पर उनके लोगों ने उसे गाली दी और जान से मारने की धमकी भी दी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दोस्तपुर ड्रग डीलरों के चंगुल में

» डीलरों के मुनाफे वाली दवाई मरीजों को लिख रहे डॉक्टर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दोस्तपुर। सूबे के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक अक्सर स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेने अस्पतालों में अचानक पहुंच जाते हैं और कमियां मिलने पे कार्यवाही भी करते है। अब शायद उन्हे जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दोस्तपुर में भी आना पड़े क्यूंकि यहां के हालात बद से बदतर हो चुके हैं। सुबह अस्पताल की ओपीडी खुलते ही दवा के एजेंसी धारकों का जमावाड़ा शुरु हो जाता है, वो इतना मनबढ़ हो चुके हैं या यूं कहें की बेखौफ़ हो चुके है कि कभी-कभार तो चिकित्सकों के बगल में बैठकर भी अपने मुनाफे की दवाएं लिखवाते हैं।

सरकारी अस्पताल की प्रक्रिया है कि ओपीडी में मरीज को दिखाने के लिए एक रुपये की पर्ची बनती है और इलाज से संबधित जांच एवं दवाएं उसी पर लिखी जाती है। लेकिन यहां हालात इससे अलग हैं, लगभग हर चिकित्सक में चैम्बर में एक सादे पन्ने या किसी मेडिकल स्टोर के नाम के लेटर हेड की गड्डी रखी हुई है, मरीजों को अस्पताल की पर्ची पे कुछ दवायें लिखने के बाद उस सादे पन्ने पर ड्रग डीलरों के मुनाफे वाली दवाई भारी भरकम लिख दी जाएगी। लिखा भी क्यों ना जाए आखिर इन्ही डीलरों से शायद डॉक्टर साहब का कमीशन भी आना है।

अफ्रीका दौरे के लिए लक्ष्मण होंगे टीम के कोच

» मुख्य कोच गौतम गंभीर आस्ट्रेलिया दौरे के चलते नहीं जाएंगे अफ्रीका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भारतीय टीम को अगले महीने दक्षिण अफ्रीका का दौरा करना है। इस दौरान टीम चार मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। इस सीरीज के लिए टीम इंडिया का एलान हो चुका है। हालांकि, भारतीय टीम का शेड्यूल इस दौरान बेहद व्यस्त रहेगा। एकतरफ जहां टीम इंडिया न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट खेलने में व्यस्त होगी, वहीं दूसरी तरफ एक टीम दक्षिण अफ्रीका का दौरा कर रही होगी। इस दौरे के लिए बीसीसीआई ने टेस्ट नहीं खेलने वाले खिलाड़ियों का चयन किया है, जिसकी अगुआई सूर्यकुमार यादव करते दिखेंगे।

वहीं इस सीरीज के लिए मुख्य कोच गंभीर दक्षिण अफ्रीका नहीं जाएंगे। बल्कि वीवीएस लक्ष्मण को भारतीय टीम के साथ दक्षिण अफ्रीका दौरे पर भेजा जा सकता है। वह भारतीय टीम के कोच होंगे। वहीं, गौतम गंभीर न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया की यात्रा करेंगे। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच डरबन, गकेबरहा, सेंचुरियन और जोहानिसबर्ग में खेले जाएंगे। पहला टी20 आठ नवंबर, दूसरा टी20 10 नवंबर, तीसरा टी20 13 नवंबर और चौथा टी20 15 नवंबर को खेले जाएगा। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर जाने वाली टीम तीन नवंबर के आसपास रवाना होगी, जबकि ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाने वाली टीम के 10-11 नवंबर तक रवाना होने की उम्मीद है।

भारत को साउथ अफ्रीका से खेलने हैं चार टी20 मैच

रमनदीप को मिल सकता है खेलने का मौका

टी20 विश्व कप विजेता हार्दिक पंड्या 15 सदस्यीय टीम में कप्तान सूर्यकुमार यादव के लिए सबसे अनुभवी तेज गेंदबाज होंगे। दुबे की गैरमौजूदगी में रमनदीप सिंह को मध्यक्रम में मौका दिया जा सकता है। वह बड़े हिट लगाने में माहिर हैं। मध्यक्रम में कप्तान सूर्यकुमार के अलावा तिलक वर्मा और रिंकू सिंह मुख्य बल्लेबाज होंगे। रमनदीप सिंह ने अपनी शानदार लेट हिटिंग से कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल 2024 जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन के पारी की शुरुआत करने की संभावना है। अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती और रवि बिश्नोई टीम में तीन मुख्य स्पिनर हैं, जबकि जितेश शर्मा, संजू सैमसन के बैकअप विकेटकीपर होंगे।

धनतेरस की धूम

लखनऊ (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। दीपावली से दो दिन पहले आज धनतेरस का त्योहार मनाया जा रहा है। लोग खरीदारी के लिए सुबह से ही सजावटी सामान खरीदना शुरू कर दिये हैं। पटाखा कारोबार आज से ही रंगत में आ जायेगा। गहने की दुकानों पर भी लोगों की चहल-पहल देखी जा रही है। लोगों पर महंगाई का असर भी अबकी बार दीपावली पर देखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि महंगाई बहुत हो गई है, लेकिन दीपावली तो मनानी ही है। इस बीच लोग बाजार में स्वदेशी सामानों को तवज्जो दे रहे हैं। साथ ही लोगों से स्वदेशी सामान ही खरीदने की अपील कर रहे हैं। बात राजधानी लखनऊ की करें तो यहां के बाजार भी सज चुके हैं। लोगों की पसंद को देखते हुए दुकानदारों ने भी स्वदेशी सामान का पूरा स्टॉक रखा है।

यूपी पुलिस का एक और शर्मसार करने वाला कारनामा

पहले लॉकअप में पिटाई की पानी मांगा तो पिला दी एसिड

» **परिजनों ने युवक को गंभीर हालात में अस्पताल में कराया एडमिट**

» **गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने सीओ से मिलकर की कार्रवाई की मांग**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमरोहा। अभी लखनऊ में पुलिस कस्टडी में मोहित पांडेय की मौत का मामला ठंडा भी नहीं पड़ा था कि अमरोहा में पुलिस की करतूत सामने आई है। थाना सैदनगली में हवालात में बंद युवक को पुलिस वालों ने पानी मांगने पर एसिड पिला दिया गया। इतना ही आरोप यह भी है कि इससे पहले युवक से मारपीट भी की गई। युवक को गंभीर हालत में अस्पताल में एडमिट कराया गया है।

अब एसिड पिलाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। पीड़ित के परिजनों और ग्रामीणों ने पुलिस क्षेत्राधिकारी से मुलाकात कर दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की है।

दरअसल, 14 अक्टूबर की रात थाना सैद नगली के बाहर छात्रों के दो गुटों में मारपीट हो रही थी, इसी दौरान संभल जिले के ग्राम पनसुखा मिलक निवासी धर्मेंद्र सिंह ने झगड़ा शांत कराने की कोशिश की। लेकिन पुलिस उसे पड़कर थाने ले आई। धर्मेंद्र के परिवार का आरोप है कि उसकी सफाई के बावजूद पुलिस ने एक नहीं सुनी।

धर्मेंद्र की हालत नाजुक

भाई पुष्पेंद्र ने बताया कि हवालात में बंद धर्मेंद्र ने जब पानी मांगा तो नशे में धुत्त पुलिसकर्मियों ने उसे एसिड पिला दिया, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई। हालत बिगड़ने पर उसे पहले सैद नगली में प्राथमिक उपचार के लिए भर्ती कराया गया और बाद में मेरठ रेफर किया गया। जहां डॉक्टर ने बताया कि उसकी आंते कई जगह से कट चुकी हैं और उसे घर ले जाने की सलाह दी। तब से धर्मेंद्र की हालत नाजुक बनी हुई है।

सीओ ने दिया कार्रवाई का भरोसा

इसके बाद धर्मेंद्र के परिजन और कई ग्रामीण सीओ से मिले और पूरी घटना की जांच कर दोषी पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिसकर्मियों ने निर्दयता दिखाई है और उन्हें इसके लिए कड़ी सजा दी जानी चाहिए। इस पर पुलिस क्षेत्राधिकारी ने परिजनों को निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

पीएम मोदी की नीतियों से सिर्फ बड़े कारोबारियों को फायदा: प्रियंका गांधी

» **कांग्रेस महसचिव ने कहा- वायनाड की जनता समझदार**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को वायनाड के एंगपुझा में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने वायनाड के लोगों की सराहना करते हुए कहा कि यहां के लोगों का इतिहास बहुत समृद्ध है, आपने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी है।

प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पिछले दस सालों में हमने लोगों के प्रति पूरी तरह से उपेक्षा देखी है। मोदी की नीतियों से सिर्फ बड़े कारोबारी मित्रों को फायदा होता है, आम नागरिकों को नहीं। किसानों के प्रति कोई सहानुभूति नहीं है, जिन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने का वादा किया गया था, लेकिन उन्हें कभी नहीं मिला। देश भर में आदिवासी लोगों पर हमले हो रहे हैं, उनकी जमीनें बड़े व्यापारियों को सौंप दी जा रही हैं। बेरोजगारी चरम पर है और वादों के बावजूद मेडिकल कॉलेज का कोई नामोनिशान नहीं है। जीएसटी व्यवस्था भी छोटे व्यवसायों को नुकसान पहुंचा रही है।

प्रियंका ने रैली को संबोधित करते हुए कहा, मैं वायनाड के इतिहास को अच्छी तरह जानती हूं। वायनाड के लोग हमेशा सही के लिए खड़े रहे हैं। आपका इतिहास बहुत समृद्ध है, आपने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी है और लगातार भाई-बहनों की तरह सद्भाव से रहते आए हैं। यह सभी धर्मों के गुरुओं की शिक्षाओं और हमारे स्वतंत्रता आंदोलन को निर्देशित करने वाले मूल्यों को दर्शाता है।

उन्होंने आगे कहा, जब भारत को स्वतंत्रता मिली तो यह प्रेम, सत्य, समानता, न्याय और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों पर आधारित था, जो हमारे संविधान की नींव है। दशकों बाद भी हमारी लड़ाई इन मूल्यों को बनाए रखने के लिए जारी है। प्रियंका ने एक दिन पहले मीनांगडी में एक चुनावी रैली को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था, आप जानते हैं कि हम किस दौर में जी रहे हैं। केंद्र में भाजपा की सरकार है, जहां भय, अविश्वास और क्रोध विभिन्न समुदायों के बीच फैला हुआ है। आपने अल्पसंख्यकों पर हमले देखे हैं, मणिपुर में क्या हुआ? आपने बार-बार देखा है कि कैसे यह सरकार एकजुट, योजनाबद्ध तरीके से नफरत और गुस्से को फैलाती है। हमारे संविधान के मूल्यों को लगातार तोड़ा जा रहा है।

पटेल जयंती: रन फॉर यूनिटी में दौड़ा लखनऊ

सीएम योगी ने सभी को देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने की दिलाई शपथ

» **स्वस्थ समाज का निर्माण ही राष्ट्र को बनाता है मजबूत : योगी**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में रन फॉर यूनिटी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान सीएम योगी ने सरदार पटेल को नमन कर देश के प्रति उनके समर्पण को याद किया।

पांच कालीदास मार्ग से केडी सिंह बाबू स्टेडियम तक आयोजित इस दौड़ में सैकड़ों युवाओं, बच्चों और आम नागरिकों ने पूरे जोश के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने धनतेरस, दीपावली और छठ के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दीं और सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर उनके महान योगदान को नमन किया। कार्यक्रम के दौरान समाज के सशक्तिकरण में स्वास्थ्य की अहमियत पर जोर दिया। कहा कि आरोग्यता समाज के विकास की पहली शर्त है। स्वस्थ समाज का निर्माण ही राष्ट्र को मजबूत बनाता है। इस अवसर पर आयोजित रन फॉर यूनिटी का आयोजन न सिर्फ हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद है, बल्कि सरदार पटेल के एकजुट भारत के सपने को भी बल प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ने भारत की आजादी और आज के भारत की अखंडता में सरदार पटेल के महान योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने ब्रिटिश सत्ता के षड्यंत्र को बेनकाब करके 563 से अधिक रियासतों को भारत गणराज्य में मिलाया। जूनागढ़ के नवाब से लेकर हैदराबाद के निजाम तक सभी को उन्होंने भारतीय एकता के महत्व को समझने पर विवश किया। सरदार पटेल ने अखंड भारत का जो स्वरूप हमें दिया, वह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में और मजबूत हो रहा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।